

सं. प्रो. वि./एफ.डी./69-87/8223.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० पेरिसन साईकल प्रा० लि०, 1/45, डी० एल० एफ० एरिया, फरीदाबाद के श्रमिक श्री शिला नाथ, पुत्र श्री रंजनारायण सिंह माफत फरीदाबाद कामगर यूनियन (रजि०), 2/7, गोपी कालोनी, पुराना फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा, सरकारी अधिसूचना सं० 5415-3-अम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पकृते हुए अधिसूचना सं० 11495-जी-अम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री शिला नाथ पुत्र श्री रंजनारायण सिंह की सेवाओं का समाप्त न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं० प्रो० वि०/एफ०डी०/69-87/8230.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० पेरिसन साईकल प्रा० लि०, 1/45, डी० एल० एफ० एरिया, फरीदाबाद के श्रमिक श्री इस्लाम प्रंसोरी माफत फरीदाबाद कामगर यूनियन (रजि०), 2/7, गोपी कालोनी, पुराना फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा, सरकारी अधिसूचना सं० 5415-3-अम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पकृते हुए अधिसूचना सं० 11495-जी-अम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री इस्लाम प्रंसोरी की सेवाओं का समाप्त न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं० प्रो० वि०/एफ०डी०/23-87/8238.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० मेकटूल इण्डस्ट्रीज, प्लाट नं० 116, सेक्टर 6, फरीदाबाद के श्रमिक श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री कै० एस० ठाकुर माफत श्री और० कै० हलधर, डेल्टा टूल्ज इम्प्लाइज यूनियन, प्लाट नं० 139, सेक्टर-24, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा, सरकारी अधिसूचना सं० 5415-3-अम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पकृते हुए अधिसूचना सं० 11495-जी-अम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री दर्शन सिंह की सेवा समाप्त की गई है या उसने स्वयं कार्य से गैरहाजिर रहकर नौकरी से पुनर्ग्रहणाधिकार (लियन) खोया है? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है?